उत्तर-पुस्तिका-2

हिंदी रतन

BLUE SKY
BOOKS INTERNATIONAL
2647, Roshan Pura, Nai Sarak,Delhi-110006
Phone : 98994 23454, 98995 63454
E-mail : blueskybooks@gmail.com

हिंदी रतन-2

अध्याय-1 सवेरा

2. (क) पक्षी सवेरा होने पर चहकने लगे। (ख) सवेरा होने पर बेलें महकीं। (ग) चिड़ियों ने नया गीत गाया। (घ) सूरज नया सवेरा लाया। **3.** (क) स (ख) अ (ग) स। **4.** हरी **दूब पर**, ओस **चमकती**, फूलों से, **मोती-**सी झरती। गीत नया **चिड़ियों** ने गाया, **सूरज है नया** सवेरा लाया। **भाषा-बोध: 1.** सूरज, पक्षी, सवेरा, ओस, चिड़िया-फूल, चहके, दूब। **2.** सूर्य, घास, पक्षी, पुष्प। **3.** धूप, दूब, मूल, सूरज। करके सीखिए स्वयं करें।

अध्याय-2 स्वच्छता

2. (क) रवि के दाँत में दर्द था जिसके कारण वह रो रहा था। (ख) रवि की माँ ने उससे कहा, ''अरे! तुम्हारे दाँत तो बहुत गंदे हो रहे हैं, इसीलिए मैं कहती हूँ कि ठीक से मंजन किया करो।'' (ग) यदि ठीक से मंजन न किया जाए तो दाँतों में कीड़े लग जाते हैं और दर्द होने लगता है। (घ) दाँतों को स्वच्छ रखने के लिए हमें प्रतिदिन प्रात: उठने के बाद तथा रात में सोने से पहले मंजन करना चाहिए। (ङ) रवि ने डॉक्टर अंकल से कहा, ''ठीक है डॉक्टर अंकल! अब मैं इन सभी बातों का हमेशा ध्यान रखूँगा।'' **3.** (क) ब (ख) अ (ग) अ (घ) ब (ङ) स। **4.** (क) ✗ (ख) ✓ (ग) ✗ (घ) ✗ (ङ) ✓ **भाषा-बोध: 1. रात-**रजनी.रात्रि; **माँ-**माता, जननी; **बीमार-**अस्वस्थ, रोगी; **शरीर-**तन, काया। **2.** दाँत-दाँतों, कीड़ा-कीड़े। टॉफी-टॉफियाँ, नाखून-नाखूनें, बाल-बालें, बात- बातें। **करके सीखिए-**स्वयं करें।

अध्याय-3 हंस को फैसला

2. (क) बुलबुल ने पेड़ उगाने के लिए बीज को धरती में दबा दिया। (ख) बीज अंकुर बनकर फूट पड़ा। (ग) कौआ काँव-काँव करता हुआ बोला, ''बुलबुल, मुझे यह घोंसला चाहिए। मुझे यह पेड़ चाहिए। अब घोंसला और पेड़ मेरे हैं। चली जाओ यहाँ से।'' (घ) हंस ने निर्णय में कहा, ''यह घोंसला और पेड़ बुलबुल के हैं, कौए के नहीं। जो घर बनाता है, उसे उजाड़ता नहीं। जो पेड़ लगाता है, उसे काटता नहीं। **3.** (क) ब, (ख) अ (ग) अ (घ) ब (ङ) अ। **4.** (क) ✗ (ख) ✓ (ग) ✗ (घ) ✓ (ङ) ✓ **भाषा-बोध: 1. चिड़िया-**पक्षी, **कौआ-**काक, **पेड़-**वृक्ष, **धरती-**भू, **वर्षा-**बरसात, **निर्णय-**फैसला, **झगड़ा-**लड़ाई, **घर-**भवन **2. पौधा-**पौधे, **चिड़िया-**चिड़ियाँ, **पत्ता-**पत्ते, **अंडा-**अंडे, **कौआ-**कौए, **घोंसला-**घोंसले, **बात-**बातें, **जड़-**जड़ें। **करके सीखिए-**स्वयं करें।

अध्याय-4 अच्छर-हमारे शत्रु

2. (क) मलेरिया मच्छर के काटने से फैलता है। (ख) मलेरिया के मच्छर नम स्थानों, कूड़े-कचरे तथा नाली में ठहरे पानी में अधिक रहते हैं। (ग) ये अपने डंक से हमारे शरीर में मलेरिया के कीटाणु छोड़ देते हैं। धीरे-धीरे ये कीटाणु हमारे शरीर में बढ़ते हैं और भयानक बुखार पैदा कर देते हैं। (घ) मलेरिया से बचने के लिए हमें यदि किसी गड्ढे में पानी इकट्ठा हो जाए तो उसे पत्थर-मिट्टी से भर देना चाहिए या उसमें मिट्टी का तेल व कीटनाशक दवा डालनी चाहिए। (ङ) मच्छरों को मारने के लिए कमरों में फ्लिट या बेगान जैसी कीटनाशक दवाओं का छिड़काव करना चाहिए। रात को सोते समय मच्छरदानी का प्रयोग करने से भी मच्छरों से बचाव होता है।

3. (क) कीटाणु (ख) एक सप्ताह (ग) गंदे पानी में (घ) इन दोनों का (ङ) इन दोनों से **4.** (क) ✗ (ख) ✓ (ग) ✗ (घ) ✓ (ङ) ✓ **भाषा-बोधः 1. हानि-**लाभ, **मित्र-**शत्रु, **स्वस्थ-**अस्वस्थ, **अनेक-**एक, **ज्यादा-**कम, **सावधान-**असावधान, **रात-**दिन **मादा-**नर। **2. मच्छर-**मच्छरों, **जीव-**जीवों, **कमरा-**कमरों, **कीटाणु-**कीटाणुओं, **सप्ताह-**सप्ताहों, **दाग-**दागों, **दवा-**दवाएँ, **साधन-**साधनों **3.** स्वयं करें। **करके सीखिए** स्वयं करें।

अध्याय-4. बादल

2. (क) बच्चे बादलों से जल बरसाने का आग्रह कर रहे हैं। (ख) रिमझिम वर्षा से तन-मन ठंडा हो जाता है। (ग) वर्षा हो जाने पर मौसम सुहावना हो जाता है। (घ) स्वयं करें। **3.** (क) स (ख) अ (ग) ब। **4. रिमझिम** बरसो, रम-रम बरसो, धीरे-धीरे थम-थम बरसो। (ख) ठंडा-ठंडा तन हो मेरा, ठंडा-ठंडा **मन हो मेरा**। **भाषा-बोधः 1. बादल-**घन, जलद; **पानी-**जल, नीर; **तन-**शरीर, काया; **वर्षा-**बरसात, बारिश। **2. आज-**कल, **ठंडा-**गरम, **धीरे-**जल्दी, **गरमी-**सरदी **3.** बादल गरजता है। पानी बरसता है। घोड़ा दौड़ता है। कुत्ता भौंकता है। **4. स्वयं करें। करके सीखिए-**स्वयं करें।

अध्याय-6 रवि का बस्ता

2. (क) रवि ने स्कूल से आने के बाद अपना बस्ता लापरवाही से मेज पर पटक दिया। (ख) रवि अक्षर ठीक से नहीं बनाता। (ग) लंच-बॉक्स से अजीब सी गंध आ रही थी। (घ) रवि की पुस्तक की जिल्द फट गई थी। वह गंदी हो गई थी। उसके पृष्ठ भी फट गए थे। **3.** (क) बस्ता (ख) रबड़ (ग) स्केल (घ) कॉपी (ङ) पेंसिल **4.** (क) पुस्तक (ख) लंच-बॉक्स (ग) कॉफी (घ) रबड़ (ङ) पेंसिल। **भाषा-बोधः 1.** पेंसिल-पेंसिलें, पुस्तक-पुस्तकें, मेज-मेजें, बस्ता-बस्ते, डिब्बा-डिब्बे, दरवाजा-दरवाजे, चीज-चीजें, कमरा-कमरें **2.** (क) की (ख) की (ग) का (घ) के (ङ) के। **करके सीखिए-**स्वयं करें।

अध्याय-7 हमारा राष्ट्रीय पशु-बाघ

2. (क) हमारे राष्ट्रीय प्रतीक हमारे देश की संस्कृति, चरित्र और महत्त्व को दर्शाते हैं। (ख) बाघ अत्यंत ओजस्वी, पराक्रमी तथा फुर्तीला पशु होता है। (ग) बाघ अत्यंत तेज दौड़ता है और बड़ी चालाकी से अपने शिकार को पकड़ लेता है। (घ) बाघ सभी भारतीयों को प्रेरणा देता है कि हमें भी इसकी तरह ओजस्वी और पराक्रमी होना चाहिए और निरंतर सावधान रहते हुए अपने देश की रक्षा में सदा तत्पर रहना चाहिए। **3.** (क) बाघ (ख) मोर (ग) काली (घ) सावधान। **4.** (क) ✓ (ख) ✗ (ग) ✓ (घ)✓। **भाषा-बोध-**तेज-मंद, काली-सफेद, स्वीकार-अस्वीकार, पराक्रमी-डरपोक, मांसाहारी-शाकाहारी, सावधान-असावधान, महत्त्व-महत्त्वहीन, निरंतर-कभी-कभी। **2.** वीर + ता = वीरता, दौड़ + ता = दौड़ता, पकड़ + ता = पकड़ता, खरीद + ता = खरीदता, सुंदर + ता = सुंदरता, गरज + ता = गरजता। **3.** स्वयं करें। **करके सीखिए-** स्वयं करें।

अध्याय-9 बिल्लियों की लड़ाई

2. (क) दोनों बिल्लियाँ भूरे रंग की थी। (ख) बिल्लियों में रोटी खाने के लिए लड़ाई शुरू हो गई। (ग) लड़ाई का फैसला बंदर ने किया। (घ) इस कविता से हम सीखते हैं कि हमें कभी भी किसी से लड़ाई नहीं करनी चाहिए। **3.** लिए **तराजू** बंदर भाई, तोड़-तोड़ **सब रोटी खाई**, **इसीलिए कहता हूँ** भाई, तुम न **करना कभी लड़ाई**। **भाषा-बोध: 1.** बिल्ली-बिल्लियाँ, एक-अनेक, रोटी-रोटियाँ, लड़ाई-लड़ाइयाँ। **2.** (क) भूरी (ख) लाल (ग) हरी (घ) नीला (ङ) सफेद (च) काली। **3.** स्वयं करें। **4. बंदर-** कपि, वानर; **भाई-**भ्राता, बंधु; **सूर्य-**सूरज, रवि; **धरती-**भू, धरा; **पेड़-**वृक्ष, पादप। **करके सीखिए-**स्वयं करें।

अध्याय-10 हमारा गाँव

2. (क) घर के आस-पास बहुत पेड़ होने से उसकी घनी छाया सूर्य की गरमी को रोक लेती है जिससे घर की दीवारें गरम नहीं हो पातीं। (ख) गाँव में पेड़ अधिक होते हैं। यही कारण है कि घर ठंडा रहता है और गाँव की हवा ठंडी लगती है। (ग) शहर में पेड़ की कमी है इसलिए वहाँ बिजली से चलने वाले ए० सी० या कूलर लगाने पड़ते हैं। (घ) माधव ने चाचा जी के साथ गाँव में हरे-भरे लहलहाते खेत, बरगद के पेड़ की छाया में मिट्टी के बर्तन बनाता एक कुमार, कुएँ पर पानी भरती स्त्रियों, पेड़ों की मजबूत टहनियों पर लटके झूले। उन पर झूलते बच्चे को देखा। (ङ) स्वयं करें। **3.** (क) गाँव, (ख) बड़ा और हवादार (ग) इमारतें (घ) सुंदर बगीचा (ङ) पेड़ों की। **4.** (क) दादी ने (ख) माधव ने (ग) माधव की माँ ने (घ) दादी ने। **भाषा-बोध: 1.** खंभा-खंभे, गाय-

गायें, कमरा–कमरें, खिड़की–खिड़कियाँ, रेलगाड़ी–रेलगाड़ियाँ, टहनी–टहनियाँ, दीवार–दीवारें, झोंपड़ी–झोपड़ियाँ। **2. र–**अचार; घर; ˋ**–**सूर्य, पार्क; ˏ**–**प्रसाद, प्रणाम ड्रम;, ‸**–**राष्ट्र **करके सीखिए–**स्वयं करें।

अध्याय–11 बीरबल की खिचड़ी

2. (क) ब्राह्मण बादशाह अकबर के दरबार में सहायता माँगने आया था। (ख) अकबर ने उसके सामने शर्त रखी कि तुम्हें पूरी रात यमुना नदी के ठंडे जल में खड़ा रहना होगा। यदि तुम ठंडे जल में रात भर खड़े रहे तो मैं तुम्हें इनाम दूँगा। (ग) अकबर ने ब्राह्मण से कहा कि तुम ठंडे जल में इसलिए खड़े रह सके, क्योंकि तुम्हें महल के चिरागों से गरमाहट मिल रही थी। जाओ मैं तुम्हें कोई इनाम नहीं दूँगा। (घ) बीरबल धीमा आँच पर खिचड़ी पका रहे थे। (ङ) चतुराई से किसी भी समस्या का समाधान किया जा सकता है। **3.** (क) नौकरी की (ख) मदद (ग) गरीब ब्राह्मण (घ) खिचड़ी। **4.** (क) ब्राह्मण ने अकबर से (ख) अकबर ने ब्राह्मण से (ग) सिपाही ने अकबर से (घ) बीरबल ने अकबर से। **4.** (क) बादशाह (ख) गरीब (ग) खिचड़ी (घ) महल। **भाषा–बोध: 1.** बादशाह = बादशाहों, बेटी=बेटियाँ, रात=रातों, चिराग=चिरागों, बरतन=बरतनों, महल=महलों, इनाम=इनामों, पेड़=पेड़ों। **2. बादशाह–**राजा, नृप; **रात–**रजनी, निशा; **बेटी–**पुत्री, तनया; **जल–**पानी, नीर; **चिराग–**दीपक, दीया। **करके सीखिए** स्वयं करें।

अध्याय–12 कदंब

2. (क) कवि ने कदंब के पौधे को पानी–खाद देकर पालन–पोषण किया। (ख) कवि को उसके पिता से कदंब का पौधा मिला था। (ग) वह कदंब की डाल पर चढ़ता है तथा उसकी छाया में बैठकर पढ़ता है। (घ) हाँ, यह भी मित्र का एक रूप होता है। **3.** (क) एक नन्हा–सा पौधा (ख) दोनों (ग) पापा ने (घ) सावन। **4.** बड़े **मजे से** अब मैं इसकी, **शाखाओं** पर चढ़ **जाता हूँ**, घंटो–घंटों इसकी **शीतल, छाया** में **अब मैं पढ़ता हूँ**। **भाषा–बोध: 1.** पेड़–वृक्ष, पापा–पिता, पानी–नीर, मजे–आनन्द, शाखा–डाली, शीतल–ठंडा। **2.** नन्हा–नन्हें, बगीचा–बगीचों, लड़का–लड़कों, घंटा–घंटों, शाखा–शाखाएँ, झूला–झूलें। **3.** स्वयं करें। **करके सीखिए–**स्वयं करें।

अध्याय–13 पौधों का महत्व

2. (क) सूर्य, चाँद, पर्वत, नदियाँ, पशु–पक्षी और पेड़–पौधों का परस्पर घनिष्ठ संबंध है। (ख) पेड़–पौधों से हमें प्राण–वायु 'ऑक्सीजन' मिलती है। हम सभी जीवित रहने के लिए भोजन करते हैं। पेड़–पौधों से हमें खाने को फल, अनाज, सब्जियाँ आदि प्राप्त होती हैं। इनसे हमें पहनने के लिए कपड़े मिलते हैं। खाना पकाने के लिए लकड़ी तथा भवन–

निर्माण के लिए इमारती लकड़ी प्राप्त होती है। इनसे प्राप्त जड़ी-बूटियों से दवाइयाँ बनाई जाती हैं। कुछ पौधों का उपयोग सजावट के लिए भी किया जाता है। (ग) यदि शहरों में पार्क न होते तो वहाँ के लोगों को दूषित वातावरण में रहना पड़ता है। **3.** (क) मित्र (ख) कष्ट (ग) सजावट के लिए (घ) पेड़-पौधे। **4.** (क) संबंध (ख) वायु (ग) निर्माण (घ) लकड़ी (ङ) वायु। **भाषा-बोध: 1.** दवाई-दवाइयाँ, नदी-नदियाँ, बूटी-बूटियाँ, लकड़ी-लकड़ियाँ, पौधा-पौधों, सब्जी-सब्जियाँ, मिट्टी-मिट्टियाँ, तितली-तितलियाँ। **2.** पेड़=वृक्ष, तरू; वायु=हवा, पवन; धरती=भू, पृथ्वी; फूल=पुष्प कुसुम; बगीचा=बाग, उपवन। **3.** सच्चे=झूठे, अधिक=कम, फूल=काँटे, शुद्‌ध=अशुद्‌ध, मोल=उधार, सुख=दु:ख, शत्रु=मित्र, वर्षा=सूखा। **करके सीखिए-**स्वयं करें।

अध्याय-14 गुब्बारेवाला

2. (क) सड़क किनारे एक बूढ़ा व्यक्ति गुब्बारे बेच रहा था। (ख) गुब्बारे वाला आवाज लगा रहा था, ''गुब्बारे ले लो गुब्बारे, रंग-बिरंगे गुब्बारे। आओ बच्चो! आओ भैया! नीले-पीले गुब्बारे, छोटे-बड़े गुब्बारे, लाल-हरे गुब्बारे, प्यारे-प्यारे गुब्बारे।'' (ग) गुब्बारे वाले के माथे पर चिंता की रेखाएँ साफ दिखाई दे रही थीं। (घ) मोटरकारवाले सज्जन व्यक्ति भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू थे। (ङ) बाल दिवस 14 नवम्बर को मनाया जाता है। **3.** (क) सड़क (ख) दुर्बलता के कारण (ग) एक भी नहीं (घ) बाल दिवस। **4.** (क) गुब्बारे बेच रहा था। (ख) मेरे सारे गुब्बारे बिक गए। (ग) छुट्टे पैसे नहीं हैं। (घ) ठिकाना न रहा। **भाषा-बोध: 1.** (क) बेच रहा था (ख) आवाज लगा रहा था (ग) सोना पड़ेगा (घ) दे (ङ) चले गए। **2. सड़क=**पथ, रास्ता; **सुबह=**भोर, प्रात:; **शाम=**सांझ, संध्या; **घर=**भवन, मकान; **भगवान=**ईश, ईश्वर; **3. बूढ़ा=**जवान, **सुबह=**शाम, **आशा=**निराशा, **दुर्बल=**सबल, **सज्जन=**दुर्जन, **एक=**अनेक, **खुश=**दु:ख, **आज=**कल। **करके सीखिए-**स्वयं करें।